Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____
   (Name) _____
2. (Signature) _____
   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

Test Booklet No.

D-4909

Time : **2 1/2** hours] [Maximum Marks : **200**

PAPER-III
ARAB CULTURE AND ISLAMIC STUDIES

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

ARAB CULTURE AND ISLAMIC STUDIES
अरब संस्कृति एवं इस्लामिक अध्ययन

PAPER-III
प्रश्नपत्र-III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

SECTION – I
खंड – I

Note : This section contains **five (5)** questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about **thirty (30)** words and carries **five (5)** marks.

(5 × 5 = 25 Marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

Muʿawiyah's reign witnessed not only the consolidation but the extension of the territories of the Caliphate. To this period belongs the expansion in North Africa for which 'Uqbah ibn-Nafi' was in the main responsible. In the east the complete conquest of Khurāsān was undertaken (663-71) from al-Basrah, the Oxus was crossed and Bukhāra in far-away Turkestan raided (674). Thus Muʿāwiyah became not only the father of a dynasty but the second founder of the Caliphate after 'Umar.

In securing his throne and extending the limits of Islamic dominion, Muʿāwiyah relied mainly upon Syrians, who were still chiefly Christians, and upon the Syro-Arabs, who were mainly Yamanites, to the exclusion of the new Moslem immigrants from al-Hijāz.

Arabic chronicles dwell upon the sense of loyalty which the people of Syria cherished towards their new chief. Though as a soldier he was certainly inferior to 'Ali, as a military organiser Muʿāwiyah was second to none of his contemporaries.

अमीर मुआविया के काल में मुसलमानों के क्षेत्र को दृढ़ीकरण ही प्राप्त नहीं हुआ किन्तु विस्तार भी हुआ, उत्तरी अफ्रीका में नए क्षेत्रों पर विजय पाई गई जिसका श्रेय उक़्बा इबन नाफ़े को जाता है । पूरब की ओर बसरा के युद्ध केन्द्र से अरब फ़ौजें ख़ुरासान पर पूर्ण विजय प्राप्त करने के लिये बढी (663-671 AD) उन्होंने सैहून नदी को पार कर के तुर्किस्तान के देश बुख़ारा पर आक्रमण किया (674 AD), इस प्रकार अमीर मुआविया सिर्फ़ एक वंशराज के ही पिता नहीं थे किन्तु हज़रत उमर रज. के पश्चात ख़िलाफ़त के दूसरे स्थापक भी थे ।

अमीर मुआविया अपनी सत्ता की सुरक्षा और इस्लामी राज्य की सीमाओं के विस्तार में अधिकतर सीरिया वासियों पर भरोसा करते थे जिनमें अधिकतर उस समय तक ईसाई थे । दूसरे उन्हें सीरिया के अरबों पर भरोसा था जो अधिकतर यमनी थे । हिजाज़ के नए मुस्लिम आप्रवासियों पर उन्हें भरोसा नहीं था ।

अरब इतिहास की पुस्तकों के अनुसार सीरियनवासी भी अपने नये शासक के प्रति पूर्ण रूप से वफ़ादार थे, बहैसियत सैनिक वह हजरत अली रज. से कम थे परन्तु सैनिक आयोजन में वह अपने समकालीनों में किसी से कम नहीं थे ।

1. Describe the role of Amir Mu'awiyah in the consolidation of the Islamic dominion.
इस्लामी राज्य के दृढ़ीकरण में अमीर मुआविया के योगदान का विवरण दीजिये ।

2. Why Mu'awiyah relied on Syrian most ?
अमीर मुआविया सीरिया के वासियों पर ही भरोसा क्यों करते थे ?

3. Why Mu'awiyah is considered as the second founder of the Caliphate after 'Umar ?
अमीर मुआविया को हज़रत उमर रज. के पश्चात ख़िलाफ़त का दूसरा स्थापक क्यों कहा जाता है ?

4. "As a soldier, Mu'awiyah was inferior to Ali." Discuss.
"बहैसियत सैनिक मुआविया हज़रत अली से कम थे ।" प्रकाश डालिये ।

5. What is the status of Mu'awiyah as the organizer of Islamic forces among his contemporaries ?
इस्लामी सेना के आयोजक की हैसियत से अमीर मुआविया का अपने समकालीनों में क्या स्थान था ?

SECTION – II
खंड – II

Note : This section contains **fifteen (15)** questions, each to be answered in about **thirty (30)** words. Each question carries **five (5)** marks. **(15 × 5 = 75 Marks)**

नोट : इस खंड में **पाँच-पाँच (5-5)** अंकों के **पंद्रह (15)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । **(15 × 5 = 75 अंक)**

6. Give a brief account of religious conditions of Pre-Islamic Arabs.
इस्लाम से पूर्व अरबों की धार्मिक स्थिति पर प्रकाश डालिये ।

7. Give a brief account of Prophet Muhammad's migration to Madinah.
मुहम्मद स. की मदीने की हिजरत पर एक नोट लिखिये ।

8. Describe the basic teachings of Islamic faith.
इस्लामी अकीदे की मूल शिक्षाओं का वर्णन कीजिये ।

9. Describe the major conquests during the Caliphate of Ḥaẓrat ‘Umar.

हजरत उमर रजि. के शासनकाल में मुख्य फुतूहात का उल्लेख करें ।

10. Give a brief account of political problems faced by Caliph ‘Usman.

खलीफ़ा ह. उसमान रजि. ने किस प्रकार की राजनैतिक समस्याओं का सामना किया ?

11. Write a short note on the rise of Umayyad dynasty to power.
उमवी शासन के उत्थान पर एक संक्षेप में नोट लिखिए ।

12. Describe, in brief, the development of Arabic language during the Umayyad rule.
उमवी शासन काल में अरबी भाषा की उन्नति पर संक्षेप में नोट लिखिए ।

13. Enumerate the achievements of the Baytul Hikmah.

बैतुल हिकमत की उपलब्धियों का वर्णन कीजिए ।

14. Give a brief account of the progress made in the field of Geography under the Abbasid Caliphate.

अब्बासी शासन काल में भूगोलशास्त्र में उन्नति पर संक्षेप में नोट लिखिए ।

15. Give a brief account of economic concepts of Islam.
इस्लाम के आर्थिक दृष्टिकोण का संक्षेप में उल्लेख कीजिये ।

16. What are the main features of al-Kashshāf ?
तफ़सीर "अल – कश्शाफ़" की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिये ।

17. Write in chronological order, the establishment of four schools of Islamic Law along with their founders.

इस्लामी फिक़्ह की चार विचारधाराओं के संस्थापन एवं संस्थापकों के नामों को कालानुसार क्रमबद्ध कीजिये ।

18. Give an account of the fundamental principles of Mutazalite Thought.

मोतजिला के विचारों के मूल सिद्धान्तों का उल्लेख करें ।

19. Write a short note on al-Futūhāt al-Makkiyyah.

"अलफुतूहात अल–मक्कीयाह" पर संक्षिप्त नोट लिखिये ।

20. Give a brief account of Sannusi Movement.

सन्नूसी तहरीक पर संक्षिप्त नोट लिखिये ।

SECTION – III
खंड – III

Note : This section contains **five (5)** questions from each of the electives/specialisations. The candidate has to choose only **one** elective/specialisation and answer all the **five** questions from it. Each question carries **twelve (12)** marks and is to be answered in about **two hundred** (**200**) words. **(5 × 12 = 60 Marks)**

नोट : इस खण्ड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **पाँच (5)** प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल **एक** ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से **पाँचों** प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **बारह (12)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **दो सौ (200)** शब्दों में अपेक्षित है । **(5 × 12 = 60 अंक)**

ELECTIVE – I
ऐच्छिक – I

(Islamic Studies)
(इस्लामी अध्ययन)

21. Describe the contribution of Sir Syed Ahmad Khan as an educationist.
सर सय्यद अहमद खाँ का शैक्षिक के रूप में क्या योगदान है ? उल्लेख कीजिये ।

22. Describe the contribution of Nadwat al-Ulama in the field of education.
शिक्षा के क्षेत्र में नदवतुल उलेमा के योगदान पर लेख लिखिये ।

23. Discuss the role of Imam Khomaini in the Islamic Revolution of 1979.
1979 की इस्लामी क्रान्ति में इमाम खुमैनी की भूमिका पर लेख लिखिये ।

24. What are the causes leading to the establishment of secular Turkey ?
धर्मनिरपेक्ष तुरकी की स्थापना के क्या मुख्य कारण थे ?

25. Assess the personality of Saeed Nursi as a socio-political thinker.
सईद नूरसी की सामाजिक एवं राजनैतिक विचारक की हैसियत से समीक्षा करें ।

OR/अथवा

ELECTIVE – II
ऐच्छिक – II
(Arab Culture)
(अरब संस्कृति)

21. Give an account of the impact of Western Civilization on Modern Egypt.
आधुनिक मिस्र पर पश्चिमी सभ्यता के प्रभाव पर प्रकाश डालिये ।

22. Write a note on al-Idrisi with special reference to his writings on India.
भारत पर उन के लेखन के हवाले से अल-इदरीसी पर एक नोट लिखिये ।

23. Write a note on the contribution of India to the Arabs in the field of Mathematics and Astronomy.
गणित और खगोल विज्ञान के क्षेत्र में अरबों को भारत के योगदान पर एक लेख लिखिये ।

24. Write a critical note on India's foreign policy towards the crisis in Iraq.
इराक संकट से सम्बन्धित भारत की विदेश नीति का समीक्षात्मक उल्लेख कीजिये ।

25. Describe the social conditions of India as reflected in the writings of Ibn Battutah.
इब्ने बतूता के लेखन अनुसार भारत की सामाजिक स्थिति का वर्णन कीजिये ।

SECTION – IV
खंड – IV

Note : This section consists of **one** essay type question of **forty** (**40**) marks to be answered in about **one thousand** (**1000**) words on any **one** of the following topics. **(1 × 40 = 40 Marks)**

नोट : इस खण्ड में एक **चालीस (40)** अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल **एक** पर, लगभग **एक हजार (1000)** शब्दों में अपेक्षित है । **(1 × 40 = 40 अंक)**

26. Assess the contribution of Tablighi Jamat as a reform movement in India.
भारत में सुधारवादी आंदोलन की हैसियत से तबलीग़ी जमात के योगदान का मूल्यांकन कीजिये ।

OR/अथवा

Write an essay on contemporary Indo-Arab relations.
समकालीन भारत-अरब सम्बन्ध पर एक लेख लिखिये ।

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	
21	
22	
23	
24	
25	
26	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....